फा. सं. एबी-11020/1/2024-सा._समन्वय; ई-27399

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

****

सितंबर, 2024 माह के दौरान विभाग के महत्वपूर्ण कार्यकलापों और प्रमुख उपलब्धियों का सारांश।

1. **<u>पशुधन स्वास्थ्य:</u>**

किसी प्रमुख प्रकोप की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

I. टीकाकरण कार्यक्रम- मुख्य उपलब्धियां

i. एफएमडी टीकाकरण

सितंबर, 2024 माह के दौरान, लगभग 5.09 करोड़ एफएमडी टीकाकरण किए गए हैं।

24 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अब तक 19.58 करोड़ एफएमडी टीकाकरण किए जा चुके हैं और चौथा चरण पूर्ण हो चुका है। 4 राज्यों में जारी है।

3 राज्यों में अब तक 4.58 करोड़ एफएमडी टीकाकरण किए जा चुके हैं और पांचवा चरण पूर्ण हो चुका है। 6 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जारी है।

ii. ब्रूसेलोसिस टीकाकरण

माह के दौरान, कुल 16 लाख ब्रूसेलोसिस टीकाकरण किए गए हैं (जून 2021 से संचयी 4.04 करोड़)

iii. पेस्टे-डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (पीपीआर) टीकाकरण

जुलाई माह के दौरान, 80.00 लाख पीपीआर टीकाकरण किए गए हैं। (संचयी 16.67 करोड़)

iv. सीएसएफ (क्लासिकल स्वाइन फीवर) टीकाकरण

माह के दौरान, कुल 2.66 लाख सीएसएफ टीकाकरण किए गए हैं। (संचयी 59.08 लाख)

II. लम्पी त्वचा रोग (एलएसडी) के लिए टीकाकरण

वर्ष 2024 के दौरान इसके बहुत कम मामले आए। वर्तमान में, केवल एक राज्य यानी केरल में लम्पी त्वचा रोग के 40 सक्रिय मामले हैं। वर्ष 2024 के दौरान कुल 5,16,89,457 पशुओं का टीकाकरण किया गया है और टीकाकरण चल रहा है।

III. मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (एमवीयू)

दिनांक 30.09.2024 तक 28 राज्यों में कुल मिलाकर, 4016 एमवीयू काम कर रही हैं जो अंतिम छोर तक द्वार पर पशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान कर रही हैं। माह के दौरान, 6 राज्यों में 146634 किसान लाभान्वित हुए और 284086 पशुओं का उपचार किया गया।

IV. भारतीय पशु चिकित्सा परिषद (वीसीआई) से संबंधित कार्यकलाप/कार्य:

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए बी.वी.एससी और एएच डिग्री पाठ्यक्रम में अखिल भारतीय स्तर पर (15% सीटें) नीट के माध्यम से प्रवेश के लिए काउंसलिंग दिनांक 30.09.2024 की निर्धारित थी। हालांकि इसे दिनांक 15.10.2024 तक और बढ़ाया गया है।

V. चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान (सीएसएनआईएएच) से संबंधित कार्यकलाप/कार्य:

एलएचडीसीपी के तहत एफएमडी टीकों के 02 बैच और पीपीआर टीकों के 03 बैचों का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण पूरा किया।

2. <u>डेयरी प्रभाग:</u>

I. राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी):

एनपीडीडी के घटक ख के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए योजना के कार्यान्वयन हेतु एनडीडीबी को 70 करोड़ रुपये जारी किए गए।

II. डेयरी कार्यकलापों में लगे डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता :(एसडीसीएफपीओ)

आईडीएफ योजना के एसडीसीएफपीओ घटक के तहत योजना दिशानिर्देशों के अनुसार सहकारी समितियों और एफपीओ को कार्यशील पूंजीगत ऋण पर ब्याज सबवेंशन के वितरण के लिए कार्यान्वयन एजेंसी यानी एनडीडीबी को वर्ष करोड़ रुपये की राशि 100 के लिए 25-2024 जारी की गई।

III. पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)

माननीय पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिनांक 13.09.2024 को भुवनेश्वर में आयोजित मानसून बैठक के दौरान वर्ष के लिए राष्ट्रव्यापी एएचडीएफ केसीसी अभियान का 25-2024 शुभारंभ किया। यह अभियान दिनांकतक जारी रहेगा 31.03.2025 , जिसका उद्देश्य सभी पात्र पशुपालकों और डेयरी किसानों को केसीसी उपलब्ध कराना है। उक्त अभियान के लिए लाख 10 केसीसी का लक्ष्य रखा गया है।

3. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी):

I. सितंबर,-:माह के दौरान अधिकारियों द्वारा किए गए विदेशी दौरे 2024

i. सुश्री अलका उपाध्याय, सचिव, डीएएचडी ने दिनांक 23.09.2024 से 25.09.2024 के दौरान रोम, इटली में "सतत पशुधन परिवर्तन और वन हेल्थ कार्यान्वयन के लिए पशु स्वास्थ्य में सुधार" विषय पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा पशु स्वास्थ्य नवाचार, संदर्भ केंद्र और टीके (आरसीवीआई) पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन में भाग लिया।

ii. सुश्री सरिता चौहान, संयुक्त सचिव, डीएएचडी ने दिनांक 03.09.2024 से 06.09.2024 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशिया में खुरपका और मुंहपका रोगों के लिए डबल्यूओएएच उप-आयोग की 27वीं बैठक में भाग लिया।

iii. डॉ. संदीप सिंह, संयुक्त निदेशक, एनआईएएच ने दिनांक 04.09.2024 और 11.09.2024 के दौरान कोरिया गणराज्य की पशु एवं पादप संगरोध एजेंसी (एपीक्यूए) और राष्ट्रीय पशु चिकित्सा परख प्रयोगशाला (एनवीएएल) के सहयोग से कोरिया गणराज्य में आयोजित एएमआर प्रयोगशाला विशेषज्ञों के प्रशिक्षण में भाग लिया।

iv. डॉ. भूषण त्यागी, संयुक्त आयुक्त, डीएएचडी ने दिनांक 19.09.2024 और 20.09.2024 के दौरान टोक्यो, जापान में आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए वेक्टर जनित रोगों पर डबल्यूओएएच की क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

v. श्री अजित कुमार के., सहायक आयुक्त, डीएएचडी ने दिनांक 15.09.2024 और 20.09.2024 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में आयोजित खाद्य आयात और निर्यात निरीक्षण तथा प्रमाणन प्रणाली (सीसीएफआईसीएस) पर कोडेक्स समिति के 27वें सत्र में भाग लिया।

4. <u>क्रेडिट, विस्तार और प्रचार (सीईपी)</u>

I. पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान

दिनांक 04.09.2024 को पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने एक्यूसीएस, कापसहेड़ा, नई दिल्ली में #एक पेड़ माँ के नाम (#Plant4Mother) अभियान का आयोजन किया। केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने अपनी माँ के सम्मान में एक पेड़ लगाया और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

II. भुवनेश्वर, ओडिशा में क्षेत्रीय समीक्षा बैठक

दिनांक 12.09.2024 को श्रीमती अलका उपाध्याय ने भुवनेश्वर, ओडिशा में एक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें विभिन्न पूर्वी राज्यों के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का आयोजन विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के लिए किया गया था।

III. मानसून बैठक 2024: राज्य पशुपालन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

दिनांक 13.09.2024 को भुवनेश्वर, ओडिशा में मानसून बैठक 2024 का आयोजन किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह की अध्यक्षता वाले इस आयोजन में कार्यक्रम कार्यान्वयन में अभिसरण को बढ़ावा देने के लिए 17 राज्यों के मंत्री एक साथ आए। राष्ट्रीय दुग्ध रिकॉर्डिंग कार्यक्रम (एनएमआरपी), ए-हेल्प कार्यक्रम और राष्ट्रव्यापी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) अभियान जैसी प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सरकारी कार्य योजनाओं और तकनीकी एकीकरण के माध्यम से पशुधन के स्वास्थ्य और आजीविका में सुधार पर जोर दिया गया।

प्रगति के साथ-साथ व्यय में तेजी लाने के तरीके पर चर्चा की गई। राज्यों ने अपनी नई पहलों का प्रदर्शन किया।

IV. मंत्रालय की 100 दिनों की उपलब्धियों पर मीडिया ब्रीफिंग

दिनांक 17.09.2024 को केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों के भीतर मंत्रालय की उपलब्धियों के बारे में मीडिया को जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में की गई प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला गया।

V. 8वें भारत जल सप्ताह 2024 में भागीदारी

पशुपालन और डेयरी विभाग ने दिनांक 17.09.2024 से 20.09.2024 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 8वीं भारत जल सप्ताह प्रदर्शनी में भाग लिया। विभाग ने सतत विकास लक्ष्य 6 के अनुरूप पशुधन और पोल्ट्री उत्पादन में जल फुटप्रिंट्स को कम करने में अपने योगदान का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में समावेशी जल प्रबंधन के लिए साझेदारी पर जोर दिया गया और जल संसाधन प्रबंधन में वैश्विक हितधारकों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों (इनोवेटर्स) को शामिल किया गया।

VI. विश्व खाद्य भारत 2024 में भागीदारी

पशुपालन और डेयरी विभाग ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित विश्व खाद्य भारत 2024 कार्यक्रम में भागीदार मंत्रालय के रूप में भाग लिया। दिनांक 19.09.2024 को सचिव श्रीमती अलका उपाध्याय द्वारा उद्घाटन किए गए विभाग के मंडप में पशुधन और डेयरी क्षेत्रों में प्रमुख योजनाओं, नवाचारों और नई तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप्स द्वारा विकसित नए उत्पादों का शुभारंभ किया। इस मंडप में तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्टार्टअप्स के लाइव प्रदर्शन और स्टॉल लगाए गए। इसके अतिरिक्त, पशुधन क्षेत्र में युवा उद्यमिता पर एक ज्ञान सत्र आयोजित किया गया।

5. <u>राष्ट्रीय पशुधन मिशन</u>

पशुपालन और डेयरी विभाग ने पशुपालन और डेयरी विभाग की योजनाओं के बारे में स्वयं सहायता समूहों के लाभार्थियों में जागरूकता पैदा करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ काम करने वाले टीआरआईएफ नामक एक गैर सरकारी संगठन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। तीन वेबिनार आयोजित किए गए हैं, जिनमें 35000 से अधिक प्रतिभागियों को पशुपालन और डेयरी विभाग उद्यमिता कार्यक्रम, आवेदन जमा करने, कुल राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना, चारा विकास कार्यक्रम, पशुधन बीमा कार्यक्रम, एनएडीसीपी योजना, टीकाकरण कार्यक्रम में पशुपालकों की भागीदारी, विभिन्न पशुधन रोगों के टीकाकरण और उनके उपचार, जूनोटिक रोगों और एएचआईडीएफ के बारे में शिक्षित किया गया।

6. <u>व्यय</u>

अगस्त, 2024 माह में व्यय हुए 217.59 करोड़ रुपये (अनंतिम) की तुलना में सितंबर, 2024 माह में कुल मिलाकर 533.22 करोड़ रुपये (अनंतिम) का व्यय हुआ।

7. <u>शिकायत निवारण:</u>

पशुपालन और डेयरी विभाग के संबंध में 261 पिछली शिकायतें थीं, माह के दौरान 356 शिकायतें प्राप्त हुईं और 432 का निवारण सीपीजीआरएएम पोर्टल के तहत किया गया।

****